31 / 01 / 77की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

भक्तों को सर्व प्राप्ति कराने का आधार हैं -

इच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति

➢➢ मै आत्मा साक्षात् बाप समान दानीमहादानी वरदानी आत्मा हूँ

➳ _ ➳ अविनाशी प्रोपर्टी को बाप द्वारा प्राप्त कर सम्पन्न अनुभव कर रही हूँ

→ मैं ऊंच ते ऊंच बाप की ऊंच ते ऊंच हस्ती हूँ

■ मै सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूँ

➳ _ ➳ बाबा मुझे प्योरिटी की पर्सनालिटी वाली आत्मा बना रहे हैं

→ अपनी अविनाशी प्रोपर्टी को बाप द्वारा प्राप्त कर सम्पन्न अनुभव करने वाली आत्मा हूँ

■ मै रॉयल सम्पन्न आत्मा हूँ

➢➢ बापदादा मुझ आत्मा को बेहद का मालिक बना रहे हैं

➳ _ ➳ मुझ आत्मा में बेहद की खुशी अनुभव करती जा रही हूँ

→ भाग्य विधाता बाप मुझ आत्मा का भाग्य देख हर्षित हो रहे हैं

■ मै कोटो में कोई ओर कोई में भी कोई आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मुझ श्रेष्ठ आत्मा के श्रेष्ठ कर्म चरित्र के रूप में भक्त लोग गाते हैं

→ मै आत्मा भक्तो पर रहम और कल्याण की किरणे बरसा रही हूँ

■ मुझ इष्टदेव प्रति भक्तों की श्रेष्ठ भावना उनकी इच्छाओं को संतुष्ट कर रही हैं

➢➢ मुझ आत्मा की स्थिति इच्छा मात्रम् अविध्या बन रही हैं

➳ _ ➳ अर्थात बापदादा मेरी स्थिति सम्पूर्ण शक्तीशाली बीज रूप की अनुभूति करा रहे हैं

→ बीजरूप स्थिति द्वारा भक्तों पर शक्तियों का दान करती हूँ

■ यहाँ मन्दिरों में मेरे जड़ चित्र के आगे भक्तो की लंबी लाइन होती हैं

➳ _ ➳ भक्त लोग मुझ मूर्ति समक्ष गायन पूजन अर्चन कर रहे हैं

→ बापदादा मुझ निमित्त आत्मा द्वारा भक्तो के सन्मुख साक्षात्कार करा रहे हैं

■ मैं साक्षात्कार मूर्त आत्मा हूँ

➳ _ ➳ भक्तों की इच्छाएं संतुष्ट होती जा रही हैं

➳ _ ➳ मै संतुष्टमणि आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मै साक्षात्कार मूर्त आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मै शक्तिशाली बीजरूप आत्मा हूँ

→ बाबा मुझ आत्मा को पूज्य आत्मा बना रहे हैं

→ मै निमित्त पूज्य आत्मा भक्तो पर शांति और शक्तियों के वरदानों की वर्षा बरसा रही हूँ

→ जैसे बापदादा बच्चों के आगे प्रत्यक्ष हैं

→ वैसे बापदादा द्वारा मै आत्मा भक्तो के समक्ष प्रत्यक्ष होती जा रही हूँ

→ बापदादा भक्तो को मेरा इष्ट स्वरूप का साक्षात्कार करा रहे हैं

- मै मास्टर दाता हूँ
- मै मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूं
- मै मास्टर विधाता हूँ
- बाप दादा मुझ आत्मा का शृंगार कर श्रृंगारी मूर्त बना रहे हैं

➢➢ बाबा, लाइट के क्राउन के साथ साथ रत्न जड़ित ताज पहना रहे हैं

➳ _ ➳ जिससे मुझ आत्मा के संकल्प, बोल, कर्म में पवित्रता बढ़ रही हैं

→ बाबा द्वारा मुझ आत्मा का लाइट का क्राउन भक्त आत्माओं के समक्ष प्रत्यक्ष हो रहा हैं

- मेरी पवित्रता की प्रतिज्ञा में एकदम दृढ़ता बढ़ गयी

➳ _ ➳ बाप द्वारा अलौकिक जन्म मिलते ही जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त हो गया

→ ताज, तख्त और तिलक जन्म सिद्ध अधिकार के रूप में प्राप्त हो गया

- मै आत्मा पद्मा पदम भाग्यशाली आत्मा बन गयी

➢➢ सदा अपने भाग्य और भाग्य विधाता के निरंतर गीत गाती रहती हूँ

➳ _ ➳ मै आत्मा गुण सम्पन्न बनती जा रही हूँ

→ वाह मेरा भाग्य विधाता वाह

- वाह मेरा बाबा वाह

➳ _ ➳ वाह रे मै पद्मापदम भाग्यशाली आत्मा वाह

→ बाबा आपने तो कमाल कर दिया

- मुझ आत्मा को सर्व प्रश्नों से पार कर दिया प्रसन्नचित्त बना दिया

➢➢ मै प्रसन्नचित्त आत्मा हूँ

➳ _ ➳ अनेक आत्मओं को संतुष्ट कर प्रसन्नता से भरपूर करती जा रही हूँ

→ सर्व आत्मओं की इच्छा पूर्ति हो रही हैं

- मै आत्मा आकर्षण मूर्त आत्मा हूँ

➳ _ ➳ भक्त आत्मा मुझ इष्ट आत्मा से आकर्षित हो बाबा से अपना वरसा लेने दौड़ रही हैं

→ मै आत्मा स्वयं स्वतः ही सम्पन्न बनती जा रही हूँ

- सर्व की कामनाएं सम्पन्न हो रही हूँ

➳ _ ➳ ऐसे साक्षात् बाप समान

➳ _ ➳ सदा साक्षात्कार मूर्त

➳ _ ➳ दर्शनीय मूर्त

➳ _ ➳ पूजनीय मूर्त बनती जा रही हूँ

→ मुझ आत्मा की प्योरिटी की पर्सनालिटी से अन्य आत्माएं आकर्षित कर रही हैं

→ मै आत्मा हाईएस्ट अथॉरिटी की स्थिति में स्थित रहनेवाली आत्मा हूँ

→ बाप समान दानी महादानी वरदानी देनेवाली आत्मा हूँ

→ सदा भक्त आत्मओँ पर वरदानों की वर्षा करनेवाली आत्मा हूँ

→ मै सर्व वरदानों से सम्पन्न वरदानी आत्मा हूँ

- वाह मेरा भाग्य वाह
- वह मेरा बाबा वाह
- वाह मेरा परिवार वाह
- वाह ड्रामा वाह